

भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (i)

PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 118]

No. 118]

नई दिल्ली, शुक्रवार, मार्च 18, 2005/फाल्गुन 27, 1926

NEW DELHI, FRIDAY, MARCH 18, 2005/PHALGUNA 27, 1926

पोत परिवहन, सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय

(पोत परिवहन विभाग)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 18 मार्च, 2005

सा.का.नि. 181(अ).—केन्द्रीय सरकार, पानिपत पोत परिवहन अधिनियम, 1958 (1958 का 14) की धारा 12 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए पोत परिवहन के महानिदेशक को मध्यवर्ती प्राधिकारी के रूप में विनिर्दिष्ट करती है जिसके अधीन सागरगामियों के तैनाती कार्यालयों के निदेशकों का साधारण नियन्त्रण होगा। इस अधिसूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से वह अपनी शक्तियों का प्रयोग और अपने कर्तव्यों का निर्वहन करेगा।

[फ. सं. एसआर-11012/7/2004-एमए]

आर के जैन, संयुक्त सचिव

MINISTRY OF SHIPPING, ROAD
TRANSPORT AND HIGHWAYS

(Department of Shipping)

NOTIFICATION

New Delhi, the 18th March, 2005

G.S.R. 181(E).—In exercise of the powers conferred by Sub-section (2) of Section 12 of the Merchant Shipping Act, 1958 (44 of 1958), the Central Government hereby specifies the Director-General of Shipping as the intermediate authority under whose general control the Directors of seamen's employment offices shall exercise their powers and discharge their duties with effect from the date publication of this notification in the Official Gazette.

[F. No. SR-11012/7/2004-MA]

R.K. JAIN, Jt. Secy.